भिंड को मिली 322 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

नवभारत न्यूज
भिण्ड, 12 जुलाई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कार्यक्रम में 238.96 करोड़ रुपए की लागत से पूर्ण हो चुके 40 विकास कार्यों का लोकार्पण तथा 83.33 करोड़ रुपए की लागत वाली 16 नई परियोजनाओं का भूमिपूजन किया। कुल मिलाकर जिले को 322 करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं की सौगात मिली। उन्होंने लहार में नए स्नातकोत्तर (पीजी) कॉलेज की स्थापना की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि भिंड अब विकास का नया अध्याय लिख रहा है। डकैत समस्या समाप्त होने के बाद क्षेत्र में शांति और सुरक्षा का

वातावरण बना है। उन्होंने कहा कि भिंड का जवान देश की सीमाओं की रक्षा करता है और किसान अपनी मेहनत से प्रदेश की पहचान मजबूत करता है।

दंदरौआ सरकार के दर्शन कर मांगी प्रदेश की खुशहाली : भिंड प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मेहगांव स्थित प्रसिद्ध दंदरौआ सरकार धाम पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की तथा प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

उन्होंने मंदिर के महंत श्रीश्री 1008 रामदास महाराज से भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया और कहा कि ऐसे आस्था केंद्र समाज में सकारात्मक ऊर्जा, सांस्कृतिक मूल्यों और सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करते हैं। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, मंत्री राकेश शुक्ला, आईजी सचिन अतुलकर, डीआईजी सुनील जैन, कलेक्टर किरोड़ी लाल मीणा, पुलिस अधीक्षक सूरज वर्मा, जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

हितग्राहियों को वितरित किए हितलाभ

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्ज्वलन एवं कन्या पूजन से किया। उन्होंने विभिन्न विभागों के हितग्राहियों को योजनाओं के तहत लाभ वितरित किए। साथ ही शासकीय विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं, पोषण, हाईटेक हॉर्टिकल्चर, स्व-सहायता समूहों एवं महिला उद्यमियों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मालनपुर औद्योगिक क्षेत्र के उद्यमियों ने मुख्यमंत्री का स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।

विधायक अम्बरीश शर्मा के पैतृक गांव पहुंचकर दी श्रद्धांजलि

कार्यक्रम से पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. यादव लहार विधायक अम्बरीश शर्मा के पैतृक गांव सीकरी जागीर पहुंचे, जहां उन्होंने विधायक की माताजी स्वर्गीय अरुणा देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर संवेदनाएं व्यक्त कीं और ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति एवं परिजनों को दु:ख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

आलमपुर में नाला सफाई बनी खानापूर्ति

नवभारत न्यूज
भिण्ड, 12 जुलाई। मानसून की बारिश शुरू होते ही आलमपुर नगर परिषद की तैयारियों की पोल खुल गई। नगर में दो दिनों से हुई तेज बारिश के बाद कई वार्डों में जलभराव की स्थिति बन गई, जिसके बाद नगर परिषद ने नाले-नालियों की सफाई अभियान शुरू किया। हालांकि स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह अभियान केवल

पहली बारिश में खुली नगर परिषद की तैयारियों की पोल

औपचारिकता बनकर रह गया और सफाई कार्य व्यवस्थित तरीके से नहीं किया गया। नगर के वार्ड क्रमांक 1, 2, 3, 5, 6, 7 एवं 12 हर वर्ष जलभराव की समस्या से प्रभावित रहते हैं। बरसात से पहले ही कलेक्टर किरोड़ी लाल मीणा ने सभी नगरीय निकायों को नाले-नालियों की समयबद्ध एवं प्रभावी सफाई कराने के निर्देश दिए थे, ताकि बारिश के दौरान नागरिकों को परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके बावजूद नगर परिषद द्वारा समय रहते आवश्यक तैयारियां नहीं की गईं।

बारिश के बाद शुरू हुआ सफाई अभियान : लगातार हुई बारिश के बाद जब नगर के कई हिस्सों में पानी भर गया, तब नगर परिषद ने जेसीबी मशीन लगाकर नालों की सफाई शुरू की। स्थानीय लोगों का कहना है कि कर्मचारियों की लापरवाही और अधिकारियों की निगरानी के अभाव में सफाई कार्य अधूरा छोड़ दिया गया और अधिकांश स्थानों पर केवल दिखावटी कार्रवाई की गई।

गोबर के ढेर और अतिक्रमण से बाधित जल निकासी : मुख्य मार्ग पर नाले के किनारे गोबर के ढेर लगे होने के बावजूद उन्हें हटाने की कोई कार्रवाई नहीं की गई। वहीं नगर के मुख्य बाजार में दुकानदारों द्वारा नालियों पर पक्के पत्थर रखकर किए गए अतिक्रमण के कारण जल निकासी पूरी तरह प्रभावित हो रही है। परिणामस्वरूप मामूली बारिश में भी बाजार क्षेत्र में एक फीट तक पानी भर जाता है और लोगों को पानी के बीच होकर आवागमन करना पड़ता है। स्थानीय नागरिकों ने नगर परिषद से जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने, अतिक्रमण हटाने और स्थायी समाधान सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि आगामी बारिश में लोगों को बार-बार जलभराव की समस्या का सामना न करना पड़े।

सफाई के दौरान टूटी पुलिया, सड़क भी क्षतिग्रस्त

वार्ड क्रमांक-2 में नाले की सफाई के दौरान जेसीबी मशीन से मुख्य मार्ग पर बनी पुलिया क्षतिग्रस्त हो गई, वहीं सड़क का हिस्सा भी उखड़ गया। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि नाले से केवल कुछ कचरा निकाला गया, जबकि अधिकांश गाद और मलबा वहीं छोड़ दिया गया। यही नाला बारिश के समय सबसे अधिक जलभराव का कारण बनता है।

हाईवे निर्माण में देरी पर संत समाज और पूर्व सैनिकों ने जताई नाराजगी

नवभारत न्यूज
भिण्ड, 12 जुलाई। ग्वालियर-भिंड राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण कार्य में हो रही देरी को लेकर

मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन, फरवरी 2027 तक कार्य शुरू नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी

अखिल भारतीय संत समिति एवं इंडियन वेटर्न ऑर्गनाइजेशन सैनिक संगठन ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र निर्माण कार्य प्रारंभ कराने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने

आरोप लगाया कि तकनीकी स्वीकृति मिलने के बावजूद 7 जुलाई को प्रस्तावित टेंडर नहीं खोले गए और इस संबंध में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की ओर से कोई स्पष्ट कारण भी सामने नहीं आया।

अखिल भारतीय संत समिति के जिला अध्यक्ष संत कालीदास महाराज ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन में कहा कि ग्वालियर-भिंड हाईवे की बदहाल स्थिति के कारण पिछले कई वर्षों में हजारों लोग सड़क दुर्घटनाओं में अपनी जान गंवा चुके हैं।

उन्होंने कहा कि यह केवल सड़क निर्माण का मामला नहीं, बल्कि आम नागरिकों के जीवन और सुरक्षा से जुड़ा विषय है। इंडियन वेटर्न ऑर्गनाइजेशन सैनिक संगठन, लहार इकाई के अध्यक्ष सूबेदार बसंत सिंह राजावत ने भी हाईवे निर्माण कार्य में तेजी लाने की मांग करते हुए कहा कि क्षेत्र की जनता लंबे समय से इस सड़क के निर्माण की प्रतीक्षा कर रही है।

बड़ी संख्या में कार्यक्रम स्थल पहुंचा संत समाज और पूर्व सैनिक

संत समिति द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार मुख्यमंत्री से मुलाकात के लिए संत समाज और पूर्व सैनिक बड़ी संख्या में कार्यक्रम स्थल पहुंचे थे। प्रारंभ में प्रशासन द्वारा उन्हें मिलने से रोका गया, बाद में जिला प्रशासन ने संत कालीदास महाराज एवं सूबेदार बसंत सिंह राजावत को मुख्यमंत्री से भेंट कर ज्ञापन सौंपने की अनुमति प्रदान की। ज्ञापन के दौरान संत कालीदास महाराज ने कहा कि यदि फरवरी 2027 तक ग्वालियर-भिंड हाईवे का निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हुआ, तो संत समाज, पूर्व सैनिक और क्षेत्र की जनता सरकार के विरोध में लोकतांत्रिक आंदोलन की रूपरेखा पर विचार करने के लिए बाध्य होगी। ज्ञापन के माध्यम से प्रतिनिधिमंडल ने सरकार से ग्वालियर-भिंड हाईवे निर्माण कार्य को प्राथमिकता देते हुए शीघ्र शुरू कराने की मांग की।

बीड़ी एवं खदान श्रमिकों के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति आवेदन शुरू

श्योपुर, 12 जुलाई। श्रमिक परिवारों के बच्चों की शिक्षा को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा संचालित छात्रवृत्ति योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। योजना के अंतर्गत बीड़ी एवं खदान श्रमिकों के अध्ययनरत संतानों को स्कूली शिक्षा से लेकर उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा तक वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। उच्च शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों को पात्र विद्यार्थियों तक योजना की जानकारी पहुंचाने तथा समय-सीमा में आवेदन एवं सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण कराने के निर्देश दिए हैं।

मानपुरा में नि:शुल्क मेडिकल कैम्प

248 मरीजों का विशेषज्ञ चिकित्सकों ने किया स्वास्थ्य परीक्षण

नवभारत न्यूज
भिण्ड, 12 जुलाई। भिंड शहर से सटे मानपुरा में रविवार को सरपंच ओमवीर सिंह चौहान के सौजन्य से नि:शुल्क मेडिकल कैंप का

ग्रामीणों को मिला नि:शुल्क परामर्श और दवाइयों का लाभ, नेत्र रोगियों की रही सबसे अधिक संख्या

आयोजन किया गया। दोपहर 12 से 2 बजे तक आयोजित इस स्वास्थ्य शिविर में 248 मरीजों का विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें नि:शुल्क परामर्श एवं आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराई गईं।

शिविर में जिला क्षय अधिकारी डॉ. डी.के. शर्मा, दंत

रोग विशेषज्ञ डॉ. अजय सिंह कुशवाह, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रियंका बिरथरिया तथा जोड़ एवं हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. एस.के. भारद्वाज ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। चिकित्सकों ने मरीजों की विस्तृत जांच कर उनकी स्वास्थ्य समस्याओं के अनुसार उपचार एवं आवश्यक चिकित्सकीय सलाह दी। शिविर में सबसे अधिक नेत्र रोगियों की जांच की गई। इसके अलावा दांत, कान, हड्डी एवं जोड़ संबंधी बीमारियों से पीड़ित मरीजों का भी परीक्षण कर उन्हें उपचार संबंधी आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया। गांव में विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता से ग्रामीणों ने राहत महसूस करते हुए इस पहल की सराहना की।

इस अवसर पर सरपंच ओमवीर सिंह चौहान ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से नि:शुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर एवं दूर-दराज़ के लोगों को अपने गांव में ही विशेषज्ञ चिकित्सकीय सेवाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी स्वास्थ्य शिविर नियमित रूप से आयोजित करने का भरोसा दिलाया।

शिविर के सफल आयोजन में जुड़ावन चौहान, शैलेन्द्र भदौरिया, इंदल चौहान, सुमेर नरवरिया, कमलेश भाटिया, विक्रम राजावत, सनी राजावत, कृष्णा एवं कल्लू चौहान सहित ग्रामवासियों ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के अंत में ग्रामीणों ने चिकित्सकों एवं आयोजकों का आभार व्यक्त करते हुए ऐसे नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर नियमित रूप से आयोजित किए जाने की मांग की।

संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने पर कांग्रेस का जोर

नवभारत न्यूज
भिण्ड, 12 जुलाई। जिला कांग्रेस कमेटी भिंड शहर द्वारा संगठन को अधिक सशक्त, सक्रिय एवं जनाधार से जोड़ने के उद्देश्य से जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह भदौरिया 'पिंकी' के नेतृत्व में मंडलम अध्यक्षों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन की मजबूती, बूथ स्तर तक

मंडलम अध्यक्षों की बैठक में जनसंपर्क अभियान और आगामी कार्यक्रमों की बनी रणनीति

कांग्रेस की विचारधारा पहुंचाने, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने तथा जनसंपर्क अभियान को प्रभावी बनाने पर विस्तार से मंथन किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी शहर के अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह भदौरिया 'पिंकी' ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा जनता के हितों के लिए संघर्ष करती रही है और संगठन की मजबूती ही पार्टी की सबसे बड़ी शक्ति है।

उन्होंने सभी मंडलम अध्यक्षों से अपने-अपने क्षेत्रों में संगठनात्मक गतिविधियों को तेज करने, नए कार्यकर्ताओं को पार्टी से जोड़ने तथा आमजन की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का आह्वान किया।

बैठक में आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए विभिन्न पदाधिकारियों एवं मंडलम अध्यक्षों की जिम्मेदारियां भी तय की गईं। साथ ही बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय एवं मजबूत बनाने का संकल्प लिया गया। बैठक में जिला कांग्रेस कमेटी भिंड शहर के पदाधिकारी, ब्लॉक अध्यक्ष एवं मंडलम अध्यक्षों सहित हलीम पठान, मुकेश गर्ग, बिरजू यादव, सोहन तिवारी, मोहम्मद इरफान, गामू, संजीव बरुआ, सोनू बौद्ध, बॉबी तोमर, आयुष शर्मा सहित अनेक कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मेहरबानी में मलेरिया जागरूकता अभियान

नवभारत न्यूज
श्योपुर, 12 जुलाई। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. एस. एन. बिंदल के निर्देशन में आज विकासखंड कराहल के ग्राम मेहरबानी में मलेरिया नियंत्रण एवं जन-जागरूकता के उद्देश्य से विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. सौरभ राजावत, मलेरिया निरीक्षक नरसिंह गॉड, सीएचओ श्रीमती महिमा चौहान, एएनएम श्रीमती मोनिका डोंगरे, लैब टेक्नीशियन प्रवीण अलावाले, सुपरवाइजर श्रीमती दयावती जाटव, आशा कार्यकर्ता श्रीमती प्रीति कुशवाहा एवं दुर्गा सपोर्टर सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सहभागिता की।

शिविर के दौरान कुल 30 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यकतानुसार नि:शुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। साथ ही मलेरिया नियंत्रण गतिविधियों के अंतर्गत 20 घरों में पायरेथ्रम स्पेस स्प्रे तथा 55 घरों में लार्वा सर्वे किया गया। सर्वेक्षण के दौरान मच्छरों की उत्पत्ति रोकने के लिए आवश्यक नियंत्रणात्मक उपाय भी किए गए।

स्वास्थ्य टीम ने ग्रामीणों को मलेरिया के लक्षण, समय पर जांच, उपचार एवं बचाव के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए जागरूक किया। ग्रामीणों को सलाह दी गई कि वे नियमित रूप से मच्छरदानी का उपयोग करें, घर एवं आसपास जलभराव न होने दें, एकत्रित पानी में जला हुआ इंजन ऑयल डालकर मच्छरों के लार्वा को नष्ट करें तथा किसी भी प्रकार का बुखार आने पर तुरंत निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर रक्त की जांच कराएं और पूर्ण उपचार प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करते हुए नीम की पत्तियों का धुआं करने की भी सलाह दी गई। स्वास्थ्य विभाग ने ग्रामीणों से अपील की कि वे मलेरिया मुक्त गांव के निर्माण में सक्रिय सहभागिता निभाएं तथा बुखार के प्रत्येक मरीज की समय पर जांच एवं उपचार सुनिश्चित कर मलेरिया उन्मूलन अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें।

कीचड़ और पानी भरे रास्तों से होकर स्कूल जाने को मजबूर मासूम बच्चे

नवभारत न्यूज
श्योपुर, 12 जुलाई। जिला मुख्यालय से महज कुछ ही दूरी पर स्थित ग्राम पंचायत दुबड़ी में विकास के दावों की जमीनी हकीकत तार-तार होती नजर आ रही है। जहाँ एक तरफसरकार और जिला प्रशासन ग्रामीण क्षेत्रों में कायाकल्प और सुगम रास्तों के बड़े-बड़े दावे करते हैं, वहीं दूसरी तरफइसी पंचायत के मासूम बच्चे हर दिन अपनी जान जोखिम में डालकर और कीचड़ से सराबोर होकर स्कूल जाने को मजबूर हैं।

ग्रामीणों और बच्चों की इस दुर्दशा का एक जीता-जागता वीडियो और तस्वीरें सामने आई हैं, जो शासन-प्रशासन के साथ-साथ स्थानीय ग्राम पंचायत की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं।

गहरी नींद में सोया जिला प्रशासन : गांव की इस बदहाली ने न केवल पंचायत बल्कि जिला प्रशासन और सब पढ़ें, सब बढ़ें का नारा देने वाली सरकार को भी कटघरे में खड़ा कर दिया है। जिला मुख्यालय के इतने नजदीक होने के बावजूद आज तक किसी भी प्रशासनिक अधिकारी या जनप्रतिनिधि ने इस रास्ते की सुध नहीं ली।

रोजाना कीचड़ से सराबोर होकर विद्या का ज्ञान लेने जा रहे

इन बच्चों की तस्वीरें चिल्ला-चिल्लाकर प्रशासनिक उदासीनता की कहानी बयां कर रही हैं। अब देखना यह होगा कि इस खबर के सामने आने के बाद क्या जिम्मेदार अधिकारी जागते हैं और बच्चों को इस नारकीय रास्ते से मुक्ति मिलती है, या फिर यह मासूम ऐसे ही दलदल से होकर अपना भविष्य तलाशने को मजबूर रहेंगे।

कंधे पर किताबों का बोझ, पैरों में कीचड़ का दलदल

हैरानी की बात यह है कि इन बच्चों को किसी दूसरे गांव में पढ़ने नहीं जाना पड़ता, बल्कि यह दुर्दशा उनके अपने ही गांव के सरकारी स्कूल के रास्ते की है। रोजाना सुबह छोटे-छोटे बच्चे अपने कंधों पर किताबों का भारी बोझ लेकर, हाथों में साइकिल थामे या पैदल ही इस दलदल भरे रास्ते को पार करते हैं। रास्ता पूरी तरह से पानी और गहरे कीचड़ में तब्दील हो चुका है। कई बार बच्चे इस कीचड़ में फिसलकर गिर जाते हैं, जिससे उनके कपड़े और किताबें खराब हो जाती हैं और उन्हें बिना पढ़े ही रोते हुए घर लौटना पड़ता है।

करोड़ों का बजट गायब

स्थानीय ग्रामीणों में इस स्थिति को लेकर भारी आक्रोश है। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम पंचायत दुबड़ी में विकास कार्यों के नाम पर शासन से हर साल करोड़ों रुपए का बजट आता है। लेकिन धरातल पर कोई काम नहीं दिखता। आरोप है कि विकास के नाम पर आने वाली इस भारी-भरकम राशि को पंचायत के सरपंच और सचिव आपसी सांठगांठ और बंदरबांट करके हजम कर रहे हैं। भ्रष्टाचार की इस भूख का खामियाजा आज गांव के उन मासूम नौनिहालों को भुगतना पड़ रहा है, जो देश का भविष्य हैं।